स्वास्थ्य केंद्र उगली में 15 दिन बाद भी नहीं पहुंचा डॉक्टर

26 जनवरी से आंदोलन की चेतावनी, क्षेत्र की जनता को केवल वोट बैंक समझा जा रहा है

उगली नवभारत। सिवनी जिले के जनपद पंचायत केवलारी अंतर्गत उप तहसील उगली निवासी प्रमोद कुमार जैन ने सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार खामियों को लेकर पत्र लिखा था। 15 दिन बीत जाने के बाद भी डॉक्टर बिजेंद्र सिंह उईके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उगली में उपस्थित नहीं हैं। उन्होंने सांसद से पूछा कि अब क्या किया जाए ताकि क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। प्रमोद कुमार जैन ने स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार कमी और डॉक्टर की अनुपस्थिति पर चिंता जताई है। प्रमोद कुमार जैन ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से बताया कि उगली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 2005 से महिला और पुरुष चिकित्सक मौजूद नहीं हैं, बावजूद इसके शिकायत करने के बावजूद कोई अधिकारी सुनवाई के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते जी करीब 35 वर्षों से सिवनी-मंडला क्षेत्र से सांसद हैं, और वर्तमान सरकार स्वस्थ नारी, सशक्त नारी का नारा दे रही है, लेकिन उगली की जनता इस सुविधा से वंचित है। प्रमोद कुमार जैन ने आरोप लगाया कि सीएमओ श्री जयपाल ठाकुर, बीएमओ श्री लकरा और कलेक्टर महोदया सिवनी को अनेकों बार शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। केवल आश्वासन दिए गए, परन्तु कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शासन-प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो 26 जनवरी 2026 से आंदोलन और धरना आयोजित किया जाएगा, और इसके लिए पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

प्रमोद कुमार जैन ने यह भी कहा कि उगली क्षेत्र की जनता को केवल वोट बैंक समझा जा रहा है, जबकि उनके स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जा रही है। यह मामला स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर अनदेखी और प्रशासनिक निष्क्रियता को उजागर करता है, और इसे लेकर क्षेत्र में जनता की नाराजगी बढ़ती जा रही है।

जो मेरे उच्च अधिकारी बोलते हैं, मैं वहीं ड्यूटी करता हूं

इस संबंध में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उगली में पदस्थ डॉ. विजेंद्र उईके से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि जो मेरे उच्च अधिकारी बोलते हैं, मैं वहीं ड्यूटी करता हूं। 23 से 24 दिसंबर तक बीएमओ साहब अवकाश पर थे, उस दौरान प्रभार मुझे सौंपा गया था। पिछले चार दिनों से मैं प्रशिक्षण में हूं और वर्तमान में जिला अस्पताल सिवनी में ट्रेनिंग ले रहा हूं। मेरा कोई निजी क्लीनिक नहीं है।

प्राचार्य के वक्तव्य से विद्यालयीय प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह

पीएमश्री स्कूल में बच्चों पर बनाया जा रहा दबाव

आदेगांव के शासकीय पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल का मामला, प्राचार्य, अतिथि शिक्षक की कथित मिलीभगत, कोचिंग का भी दबाव

विद्यालय में चल रही मनमानी

सिवनी नवभारत। पीएम श्री शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आदेगांव से संबंधित शैक्षणिक अनियमितताओं के विषय में समाचार प्रकाशन के पश्चात दिनांक 13/01/26 को विद्यालय के प्राचार्य श्री जी.एल. नामी द्वारा हमारे संवाददाता से दूरभाष पर संपर्क किया गया। उक्त वार्ता के दौरान प्राचार्य द्वारा यह अवगत कराया गया कि यदि कोई लिखित अथवा औपचारिक शिकायत प्राप्त होती है, तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्राचार्य के इस कथन के पश्चात विद्यालय में लागू निगरानी व्यवस्था, पर्यवेक्षण दायित्व एवं प्रशासनिक उत्तरदायित्व को लेकर प्रश्न उत्पन्न हो गए हैं। प्रशासनिक दृष्टिकोण से यह विषय विचारणीय है कि जब विद्यालय परिसर में शैक्षणिक गतिविधियों से इतर कार्य संपादित हो रहे हों, तब क्या विद्यालय प्रमुख द्वारा स्वत: संज्ञान लिया जाना अपेक्षित नहीं है।

उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, अतिथि शिक्षक (वर्ग-1) श्री सत्यम नेमा द्वारा शैक्षणिक कार्यदिवसों में विद्यार्थियों को विद्यालय से बाहर भ्रमण हेतु ले जाया गया। चूंकि उक्त भ्रमण किसी घोषित अवकाश अवधि में संपन्न नहीं हुआ, अत: यह स्पष्ट नहीं है कि इसके लिए विभागीय अनुमति, सक्षम अधिकारी की स्वीकृति तथा शैक्षणिक कार्यों के वैकल्पिक प्रबंधन की प्रक्रिया का पालन किया गया या नहीं। इस कारण विद्यालय की नियमित कक्षाओं के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इसी क्रम में यह तथ्य भी प्रकाश में आया है कि विगत शैक्षणिक सत्र में रसायन शास्त्र विषय की परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों के उपयोग (नकल) से संबंधित शिकायत सीएम हेल्पलाइन 181 पर दर्ज कराई गई थी। यह प्रकरण प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत गंभीर है, क्योंकि परीक्षा की शुचिता भंग होना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि विद्यार्थियों के नैतिक एवं शैक्षणिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होता है कि जब संबंधित शिकायतें एवं गतिविधियां संज्ञान में लाई जा चुकी हैं, तो क्या विद्यालय स्तर पर समय रहते आंतरिक जांच अथवा प्रारंभिक प्रतिवेदन तैयार किया गया? और यदि नहीं, तो केवल औपचारिक शिकायत की प्रतीक्षा करना क्या प्रशासनिक दायित्वों की पूर्ति माना जा सकता है?

शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार, विद्यालय प्रमुख का दायित्व केवल शिकायत प्राप्त होने पर कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यालय में संचालित समस्त शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की सतत निगरानी, नियंत्रण एवं अनुशासन सुनिश्चित करना भी उनकी प्रशासनिक जिम्मेदारी में सम्मिलित है। वर्तमान में यह विषय स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अब यह अपेक्षा की जा रही है कि संबंधित विभाग द्वारा तथ्यों के परीक्षण उपरांत आवश्यक प्रशासनिक समीक्षा, मार्गदर्शन अथवा जांचात्मक कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर में

पतंग को लेकर देखा जा रहा उत्साह

बरघाट। नगर के सराफा गली मानेगांव रोड में कमल पतंग सेंटर में काफी भीड़ देखी जा रही है, मकर संक्रांति पर्व को लेकर सभी क्षेत्र से पतंग लेने पहुंच रहे हैं। 14 जनवरी मकर संक्रांति पर्व पर विशेष रूप से पतंग उड़ा कर इस पर्व को मनाया जाता है।

कौशल से आत्मनिर्भरता की ओर

सिवनी। नेताजी सुभाष शासकीय महाविद्यालय, सिवनी की 65 छात्राओं ने टैली अकाउंटिंग कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। यह उनकी सीख से आजीविका की ओर एक सशक्त कदम है। कोहका फाउंडेशन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से इन छात्राओं को व्यावहारिक लेखांकन कौशल प्राप्त हुआ है, जिससे वे अब पेशेवर दुनिया में प्रवेश के लिए तैयार हैं। अब कोहका फाउंडेशन द्वारा इनके लिए नौकरी एवं इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास शुरू किए जा रहे हैं, ताकि शिक्षा को स्थायी आय में और आत्मविश्वास को आत्मनिर्भरता में बदला जा सके। इस परिवर्तनकारी पहल को संभव बनाने वाले हमारे सभी दानदाताओं का कोहका फाउंडेशन हृदय से आभार व्यक्त करता है, जिनके सहयोग से वंचित वर्ग की बेटियाँ सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर हो रही हैं।

मकर संक्रांति पर कोठीघाट में भंडारे का आयोजन

पलारी। मकर संक्रांति पर्व के पावन अवसर पर विगत वर्षों की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी माँ वैनगंगा तट कोठीघाट में भव्य धार्मिक आयोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 15 जनवरी 2026 गुरुवार को आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी शामिल होंगे। आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण बना हुआ है। आयोजन समिति के अनुसार यह कार्यक्रम समस्त क्षेत्रवासियों एवं मोनी दादा भक्त मंडल के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न होगा। धार्मिक आस्था और सेवा भावना के प्रतीक इस आयोजन में श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की व्यापक व्यवस्था की जा रही है। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों एवं साधु-संतों से अपील की है कि वे मकर संक्रांति पर अपनी उपस्थिति दर्ज करायें।

प्रथम रोवर रेंजर राष्ट्रीय जंबूरी संपन्न

सिवनी नवभारत। भारत स्काउट गाइड स्थापना की 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा रोवर रेंजर जो स्काउट की सबसे बड़ी विंग है उसका राष्ट्रीय जंबूरी छत्तीसगढ़ राज्य के बालोद में 7 से 13 जनवरी तक आयोजित की गई। इस जंबूरी में इस राष्ट्रीय जंबूरी में भारत के सभी राज्यों से लगभग 15000 ओवर इंजन तथा श्रीलंका देश के लगभग 7 अक्टूबर में हिस्सा लिया इस जंबूरी का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्य के महामहिम राज्यपाल श्रीरमेन डेका द्वारा किया गया इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गोविंद यादव उपस्थित रहे कार्यक्रम के समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव शाह द्वारा समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वीकार किया गया उन्होंने अपने भक्तों में मैं कहाकी अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती हैं उनकी अपनी एक अलग पहचान होती है इस जंबूरी में मध्य प्रदेश के लगभग 400 सदस्य दल ने हिस्सा लिया जिसमें जबलपुर संभाग के सहसंगठन आयुत श्री ललित मिश्रा के मार्गदर्शन में 102 रोबर रेंजर एवं रोवर लीडर ने अपनी सहभागिता प्रदान की जिसमें सिवनी जिले के 18 रोवर 3 यूनिट लीडर विजय शुक्ला रघुवीर ठाकुर श्री चंद्र प्रकाश राजपूत ने अपनी सहभागिता देकर जंबूरी को सफल बनाया।

धान खरीदी के अंतिम दौर में प्रशासन सख्त, अमानक धान पर होगी कार्रवाई

सिवनी नवभारत। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतिम चरण में प्रशासन ने गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाया है। खरीदी केंद्रों पर अमानक धान की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन की पहली नजर अब खरीदी प्रभारी और सर्वेयरों पर है। उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसानों से केवल अच्छी गुणवत्ता वाला धान ही खरीदा जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसी क्रम में सुरेश सनखेरे, प्रबंधक मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन जिला सिवनी, पवन सेंडे, केंद्र प्रभारी नागरिक आपूर्ति निगम लखनादौन, पवन यादव, केंद्र प्रभारी मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन लखनादौन, रजनीश कुमार कौरव, फील्ड ऑफिसर आर बी एसोसिएट्स ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी भोपाल, शिवजी पटेल, जिला सुपरवाइजर सिवनी सहित अन्य अधिकारियों की संयुक्त टीम ने शिवहरे वेयरहाउस, पांडे वेयरहाउस, त्रिवेणी वेयरहाउस सहित अन्य धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने धान की गुणवत्ता, तौल प्रक्रिया, भंडारण व्यवस्था एवं दस्तावेजों की गहन जांच की। कुछ केंद्रों पर अमानक धान पाए जाने पर समिति प्रभारी एवं प्रबंधकों को कड़ी फटकार लगाई गई। अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंतिम खरीदी के दौर में किसी भी स्थिति में खराब या मानक से कम गुणवत्ता वाला धान नहीं खरीदा जाए। अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिए कि व्यापारियों को खरीदी केंद्रों पर प्रवेश न दिया जाए तथा केवल वास्तविक किसानों से ही धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए। यदि अमानक धान की खरीदी या नियमों के उल्लंघन की पुनरावृत्ति पाई गई तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रशासन ने खरीदी प्रभारी और सर्वेयरों को चेतावनी देते हुए कहा कि शासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करें, ताकि किसानों को सही लाभ मिल सके और भंडारण व वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की समस्या न आए। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने व्यवस्थाओं में सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जिला प्रबंधक ने केंद्रों पर सर्वेयरों की कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमानक धान को रिजेक्ट करना सर्वेयरों का दायित्व है। खरीदी का अंतिम दौर चल रहा है, इसलिए केवल अच्छी गुणवत्ता का धान ही खरीदा जाए। उन्होंने पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

सिद्धचक्र महामंडल का विधान

लखनादौन नवभारत। धर्म नगरी लखनादौन में नववर्ष 2026 की मंगलमय शुरुआत सिद्धों की आराधना के साथ हुए । इस शुभ अवसर पर दिनांक 6 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2026 तक सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन किया गया।

इस पुण्य आयोजन में आचार्य श्री विरागसागरजी मुनिराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज एवं आचार्य श्री विभवसागरजी महामुनिराज का मंगल आशीर्वाद तथा रत्नत्रय वर्धिनी आर्यिका माँ 105 ओम् श्री माताजी आर्यिका 105 स्वाध्याय श्री माताजी क्षुल्लिका श्री संस्तुति श्री माताजी क्षुल्लिका श्री मंत्र श्री माताजी बा.ब्र.चाहत दीदी बा.ब्र. सोनम दीदी का मंगल सानिध्य प्राप्त हुआ। जिसमे विधानाचर्य शुभम भैया जबलपुर रहे इस धार्मिक महोत्सव मे अर्चना जी, संदीप जी एवं हर्ष के परिबार मुख्य आयोजक रहे। महोत्सव में मुख्य पात्र महापात्र = श्रीपालङ्कमैना सुंदरी संदीप , अर्चना जी जैन ध्वजारोहण कर्ता =विजय, मीनू जैन, सौधर्म इंद्र = गौरव जी, आयुषी जी जैन, धनपति कुबेर इंद्र =श्रेयस जी, नैंसी जी जैन, सम्राट चक्रवर्ती = राहुल जी, मुस्कान जी जैन महायज्ञनायक जितेश जी, जूही जी जैन, यज्ञनायक = विनोद जी, वर्षा जी जैन, ईशान इंद्र = पीयूष जी, वर्षा जी जैन, सानतकुमार इंद्र = अभय जी, प्रीति जी जैन। माहेन्द्र इंद्र = चंद्रकुमार जी, पुष्पा जी जैन। ब्रह्म इंद्र = धीरज जी, रानी जी जैन। कार्यक्रम का आयोजन बड़ा जैन मंदिर, मे संपन्न हुए

छपारा में भक्ति का महाकुंभ : आज से शुरू होगा पंचकल्याणक गजरथ महोत्सव

छपारा नवभारत। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के अंतर्गत आने वाली धर्मनगरी छपारा में जैन समाज द्वारा एक ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। आज 14 जनवरी (मकर संक्रांति) से 20 जनवरी 2026 तक यहाँ श्री 1008 मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्वशांति महायज्ञ गजरथ महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

दुल्हन की तरह सजा छपारा नगर

महोत्सव को लेकर पूरे नगर में उत्साह का माहौल है। आयोजन के लिए नगर के सुभाष ग्राउंड (तकिया वार्ड) में एक विशाल और आकर्षक पांडाल (महोत्सव स्थल) तैयार किया गया है, जिसे मुख्य द्वार से लेकर अंदर तक भव्य रूप दिया गया है। नगर को तोरण द्वारों और झंडों से दुल्हन की तरह सजाया गया है। इस महोत्सव का मुख्य केंद्र भगवान आदिनाथ की पाषाण और धातु की मूर्तियाँ होंगी। विशेष रूप से, बैंनगंगा नदी के तट पर स्थित जिनालय में विराजमान भगवान महावीर स्वामी की लगभग 2000 वर्ष प्राचीन काले पाषाण की अति मनोहारी प्रतिमा का विशेष पूजन और अभिषेक किया जाएगा। महोत्सव के दौरान भगवान के गर्भ कल्याणक से लेकर मोक्ष कल्याणक तक की प्रक्रियाओं को सजीव रूप में दर्शाया जाएगा। 14 जनवरी- ध्वजारोहण एवं गर्भ कल्याणक (पूर्व रूप), 15 जनवरी- गर्भ कल्याणक (उत्तर रूप), 16 जनवरी- जन्म कल्याणक एवं विशाल जुलूस, 17-19 जनवरी- तप, ज्ञान और विभिन्न धार्मिक संस्कार, 20 जनवरी- मोक्ष कल्याणक एवं ऐतिहासिक गजरथ फेरी निकाली जाएगी। महोत्सव समिति ने समस्त धर्मप्रेमी जनता से इस आध्यात्मिक महोत्सव में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। गजरथ फेरी के पश्चात भगवान की प्रतिमाओं को छपारा के महावीर वार्ड स्थित जैन मंदिर में पूर्ण विधि-विधान के साथ स्थापित किया जाएगा।

संतों का सानिध्य और वीआईपी आगमन

यह महोत्सव मुनि श्री 108 नीरजसागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 निर्मदसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। प्रतिष्ठाचार्य के रूप में वाणी भूषण विनय भैया जी विधि-विधान संपन्न कराएंगे। इस आयोजन में देश-प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के साथ-साथ शासन के मंत्रियों और वीआईपी अतिथियों के शामिल होने की पूरी संभावना है।

दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

सिवनी नवभारत। बीते दिवस दिनांक 12 जनवरी को दुग्ध सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, जबलपुर के तत्वावधान में दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर के प्राचार्य श्री व्ही. के. बर्वे जी के मुख्य आतिथ्य में तथा सुश्री पायल डहाटे की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्री पी. के. सूर्यवंशी, प्रबंधक, जिला सहकारी संघ मर्यादित, सिवनी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया।

मुख्य अतिथि श्री व्ही. के. बर्वे जी ने अपने संबोधन में दुग्ध सहकारी समितियों की भूमिका, सहकारिता के महत्व तथा पशुपालकों की आय वृद्धि में दुग्ध सहकारिता के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से समितियों की कार्यक्षमता बढ़ती है तथा पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित होती है। प्रशिक्षण सत्रों में दुग्ध सहकारी समितियों के गठन की प्रक्रिया, उपविधियाँ, प्रबंधकारिणी समिति एवं आमसभा के कार्य एवं अधिकार, दुग्ध संग्रहण एवं गुणवत्ता नियंत्रण, स्वच्छता, पशुपालन की उन्नत तकनीकें, पशुओं का पोषण, टीकाकरण, रोग नियंत्रण एवं उपचार से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। सुश्री पायल डहाटे द्वारा दुग्ध सहकारी समितियों के सुचारु संचालन, अभिलेख संधारण एवं वित्तीय अनुशासन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि दुग्ध सहकारी समितियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम का संचालन मनोहर बावचे द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. सुधीर जी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में दुग्ध सहकारी समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं समिति से जुड़े कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आयोजन मध्यप्रदेश के साथियों ने किया सहभागिता,विमल कुमार यादव बनें राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष

एआईएसओ संगठन का दो दिवसीय दक्षता सेमीनार

सिवनी नवभारत। पीएसीएल (पर्ल्स) निवेशकों के हितों की लड़ाई विगत एक दशक से लड़ रहे एआईएसओ संगठन का दो दिवसीय दक्षता सेमिनार 10 एवं 11 जनवरी को पुष्कर के निजी सामाजिक संस्थान में आयोजित हुआ। विदित हो पीएसीएल (पर्ल्स) निवेशकों के देश भर में 5.85 करोड़ पीड़ित निवेशक है जिनका 49,100 करोड़ रूपए फसा हुआ है। जिसमें राजस्थान के 55 लाख निवेशकों का लगभग 6 हजार करोड़ रूपए फसा है।

निवेशकों को उनकी जमा पूंजी वापस दिलाए जाने हेतू उन्हीं के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर गठित संगठन एआईएसओ (आल इन्वेस्टर सेफ्टी ओर्गनाईजेशन) विगत दस वर्षों से निरंतर संघर्षरत हैं जिसके द्वारा जिला,प्रदेश से लेकर नेशनल स्तर पर अब तक अनेकों धरना प्रदर्शन किए जाने के साथ सांसद, मंत्रियों को भी समस्या समाधान हेतू मांगपत्र सौंपे गए। परंतु उपरोक्त समस्या का समय पर निदान नहीं होने से पीएसीएल निवेशकों में शासन प्रशासन के खिलाफ रोष व्याप्त हैं। जिसके बाद संगठन आगामी चुनावों के मद्देनजर देश के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय होकर पीड़ितों को वास्तविकता से अवगत कराने का काम कर रहा है।

सेमीनार किया आयोजित

एआईएसओ संगठन राष्ट्रीय कमेटी के मार्गदर्शन पर दो दिवसीय दक्षता सेमिनार पुष्कर में आयोजित किया गया जिसमें सैंट्रल कमेटी व प्रदेश कमेटी के साथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई जहां संगठन के द्वारा की जा रही गतिविधियों की जानकारी के साथ आगामी रणनीति पर विधिवत चर्चा की जाकर उपस्थित संघर्षीशील साथियों को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया गया।

चुना गया राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष

उपरोक्त आयोजित कार्यक्रम के प्रथम दिवस में सर्वसम्मति से विमल कुमार यादव को राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष के रुप चुना गया जिसमें उपस्थित साथियों ने बधाई संदेश प्रेषित किए इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हंसराज यादव के साथ ही वरिष्ठ लीडर्स प्रथ्विराज यादव,गणेशराम देवांगन, एडवोकेट नवल किशोर स्वामी, नेशनल कार्यकारिणी सहित सभी प्रदेशाध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इनका कहना है

एआईएसओ संगठन द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर पीएसीएल प्रभावितों को संपूर्ण जानकारी दिया जाकर आगामी रणनीति हेतु तैयार किया जा रहा है। वही गुजरात, राजस्थान के बाद अगला कार्यक्रम एमपी के उज्जैन में संभावित अप्रैल माह 2026 में आयोजित किया जाएगा।

श्याम कुमार सोनी राष्ट्रीय महासचिव (एआईएसओ)

मरार माली समाज ने किया शिक्षकों का सम्मान

सिवनी नवभारत। मरार माली समाज के द्वारा देश की प्रथम महिला शिक्षिका क्रांति ज्योति माता सावित्रीबाई फुले जी की 195 वी जयंती को शिक्षा सेवा सम्मान एवं महिला सशक्तिकरण दिवस के रूप में पंचशील सेलिब्रेशन लान बरघाट में विशाल जनसमुदाय की उपस्थित मे मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश पंचे जिला अध्यक्ष मरार माली समाज बालाघाट, भागवत प्रसाद भावरे जिला अध्यक्ष मरार माली समाज मंडला व विशेष अतिथि बालाघाट से पधारे वरिष्ठ समाजसेवी श्री उदय सिंह पंचेश्वर जी, श्रीमती सरस्वती पंचेश्वर जी, डॉ.नरेंद्र जामरे जी प्राध्यापक एवम अध्यक्षता कर रहे।

इस दौरान संतोष पंजेरिया , अध्यक्ष मरार माली समाज जिला सिवनी, की गरिमामयी उपस्थिति में, देश के महान महापुरुष भगवान बुद्ध, सम्राट अशोक महान, समाज सुधारक राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा राव फुले, शिक्षा की देवी राष्ट्र माता सावित्रीबाई फुले, भगवान् बिरसा मुंडा, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, अमर शहीद लिखीराम कावरे की छायाचित्र मे माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मरार माली समाज जिला सिवनी के द्वारा शिक्षकों का, शाल फूलमाला, और बुको से सम्मानित किया गया। मरार माली समाज सिवनी के द्वारा लिए गए विभिन्न समाज उत्थान और समाज सुधार पर प्रकाश पंचेश्वर ने वाचन किया। प्रमुख वक्ताओं के रूप में बालाघाट से पधारी श्रीमती सरस्वती पंचेश्वर के द्वारा महिला सम्मान एवं नारी सशक्तिकरण पर प्रकाश डालकर उपस्थित जन समुदाय एवं महिलाओं को प्रेरित किया, मुख्यवक्ता के रूप में जेएनयू से शिक्षा प्राप्त प्रोफेसर डॉ नरेश जमरे के द्वारा भारत के इतिहास,महापुरुषों के त्याग और कार्य पर प्रकाश डालकर, पाखण्ड अंधविश्वास को त्यागने और समाज में वैज्ञानिक सोच पैदा करने पर जोर दिया।

सुनील बाहे शिक्षक एवम श्रीमति ममता बाहे की टीम ने शिक्षाप्रद, पाखंड के विरुद्ध, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मनमोह लिया।